

МИНИСТЕРСТВО ОБРАЗОВАНИЯ И НАУКИ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

**ФЕДЕРАЛЬНОЕ ГОСУДАРСТВЕННОЕ БЮДЖЕТНОЕ**

**ОБРАЗОВАТЕЛЬНОЕ УЧРЕЖДЕНИЕ ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ  
«ДОНСКОЙ ГОСУДАРСТВЕННЫЙ ТЕХНИЧЕСКИЙ УНИВЕРСИТЕТ»**

**(ДГТУ)**

Факультет Информатика и вычислительная техника

Кафедра Кибербезопасность информационных систем

**Лабораторная работа № 2**

на тему «Кодирование и декодирование линейных блочных кодов»

Выполнил обучающийся гр. ВКБ42

Михайлов А.С.

Проверил:

Доцент Егорова Р.В.

Ростов-на-Дону

2024

**Цель работы** - приобрести умение строить линейные блоковые коды на основе порождающих матриц для обнаружения и исправления ошибок в кодовых словах.

Вариант 2



Рисунок 1 – Вариант задания

t = 1

d = 2t + 1 = 2 \* 1 + 1 = 3

m = 8

k = [log2{(m + 1) + [log2(m + 1)]}] = [log2{(8 + 1) + [log2(8 + 1)]}] = log2(9 + 2log2(3)) = 4

n = m + k = 8 + 4 = 12

Таким образом, искомый линейный блоковый код является (12,8,3) – кодом

Wp > d – 1 => Wp > 2

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 |
| 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 |
| 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 |
| 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 |
| 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 |
| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 |
| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 |
| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 |

00010100: 00001101 00100010

1011 0111 1101

1001 1001 1010

1100

= = =

0010 1010 0110

x1 = 000101000010

x2 = 000011011010

x3 = 001000100110

Транспонированная матрица-дополнение P:

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 |
| 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 |
| 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 |
| 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 |

Система проверок:

p1 + x1 + x2 + x3 + x4 + x6 + x7 + x8 = S1

p2 + x1 + x2 + x3 + x5 + x8 = S2

p3 + x1 + x2 + x4 + x5 + x7 = S3

p4 + x1 + x3 + x4 + x5 + x6 = S4

Проверочная матрица линейного блокового кода H4,12:

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| X1 | X2 | X3 | X4 | X5 | X6 | X7 | X8 | P1 | P2 | P3 | P4 |
| 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 |
| 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 |
| 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |

x1 = 0001**0**1101111

x2 = 01100**1**000011

x3 = 0010**1**0100111

1. Для кодового вектора x1:

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| X1 | X2 | X3 | X4 | X5 | X6 | X7 | X8 | P1 | P2 | P3 | P4 |
| 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 |

1 + 0 + 0 + 0 + 1 + 1 + 1 + 0 = 0

1 + 0 + 0 + 0 + 0 + 0 = 1

1 + 0 + 0 + 1 + 0 + 1 = 1

1 + 0 + 0 + 1 + 0 + 1 = 1

1. Для кодового вектора x2:

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| X1 | X2 | X3 | X4 | X5 | X6 | X7 | X8 | P1 | P2 | P3 | P4 |
| 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |

0 + 0 + 1 + 1 + 0 + 1 + 0 + 0 = 1

0 + 0 + 1 + 1 + 0 + 0 = 0

1 + 0 + 1 + 0 + 0 + 0 = 0

1 + 0 + 1 + 0 + 0 + 1 = 1

1. Для кодового вектора x3:

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| X1 | X2 | X3 | X4 | X5 | X6 | X7 | X8 | P1 | P2 | P3 | P4 |
| 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 |

0 + 0 + 0 + 1 + 0 + 0 + 1 + 0 = 0

1 + 0 + 0 + 1 + 1 + 0 = 1

1 + 0 + 0 + 0 + 1 + 1 = 1

1 + 0 + 1 + 0 + 1 + 0 = 1

Вывод: в ходе лабораторной мы приобрели умение строить линейные блоковые коды на основе порождающих матриц для обнаружения и исправления ошибок в кодовых словах.